अग्रवाल महाविद्यालय में शुरू हुआ दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

बल्लभगढ़, 29 जनवरी, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। कोविड-19 के दौरान सूचना व संचार प्रौद्योगिकी की मुख्य भूमिका विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के कंप्यूटर साइंस विभाग एवं लर्निंग रिसोर्स सेंटर के अंतर्गत शनिवार को शुरू हुआ, इसका समापन रविवार को होगा। सम्मेलन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा प्रायोजित और अनुमोदित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार थे।

बीज वक्ता प्रोफेसर डॉ. नसीब सिंह गिल (महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक) ने अपने वक्तव्य में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मुख्य बिंदु पर प्रकाश डाला साथ ही डिजिटल इंडिया, स्मार्ट इंडिया इत्यादि में भारत सरकार का अहम योगदान सांझा किया और नई शिक्षा नीति 2020 में रचनात्मक व और नवाचार के पक्ष पर चर्चा की। विशिष्ट अतिथि डॉ. के.पी. सिंह, डी.टी. रक्षा मंत्रालय, डी आर डी ओ, नई दिल्ली ने इस महामारी कोविड-19 के दौरान ई-लर्निंग, ई-संसाधनों और ई-लाइब्रेरी की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया।

मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि आईसीटी उपकरणों ने जीवन को आरामदायक बना दिया है और शिक्षण अधिगम को बहुमत के रूप में संभव बनाया गया है। उन्होंने आईसीटी की मदद से नवाचार और कौशल विकसित करने की आवश्यकता के बारे में बताया। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर मोहम्मद मुजीब उल इस्लाम, ढाका विश्वविद्यालय बांग्लादेश व जॉन कंदिरी, कंप्यूटिंग और सूचना विभाग केन्याटा विश्वविद्यालय, केन्या से उपस्थित रहे। द्वितीय सत्र में भी डिजिटल माध्यम से अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.कृष्णकांत गुप्ता की अध्यक्षता में संचालित किया गया। इस सत्र में वक्ता प्रशांत पांडे, फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया व किशोर चंद्र सतपथी भारतीय सांख्यिकीय विश्वविद्यालय, भारत से उपस्थित रहें। शनिवार का अंतिम व तृतीय तकनीकि सत्र डॉ. गीता गुप्ता (सह प्रवक्ता अग्रवाल महाविद्यालय) की अध्यक्षता में किया गया। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पाँच देशों से 160 वैज्ञानिक व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता दर्ज की।